>

Title: Regarding promotion of jute sector-laid.

श्री अर्जुन सिंह (बैरकपुर) : मैं एलेक्जेंड्रा, किनसन और खरदाह जूट मिलों का जिक्र करना चाहता हूं । बंद हुए जूट मिलों को केन्द्र सरकार एक बार फिर से स्वयं अथवा पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से शीघ्र संचालित करने की योजना पर विचार करें ।

जिस तरह पूरी दुनिया प्लास्टिक से बने बैग को जूट के बैग से प्रतिस्थापन कर रही है उससे भारत में जूट उद्योग को अवसर मिलेगा ।

ज्यादा पैदावार के लिए अच्छी किस्म का बीज प्रदान करना पड़ेगा, किसानों को प्रोत्साहन भत्ता या न्यूनतम समर्थन मूल्य प्रदान करना पड़ेगा । जूट केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान मौजूद होने के बावजूद जूट का बीज महाराष्ट्र के नासिक से मंगवाना पड़ता है, क्योंकि बीज की गुणवत्ता भी संदेह के घेरे में है । आवासीय सुविधाएं बहुत ही खराब स्थिति में हैं । क्योंकि घर लगभग 100 वर्ष पुराने हैं और नए श्रमिकों के कारण जूट उद्योग में शामिल होने की अनुमति नहीं है।